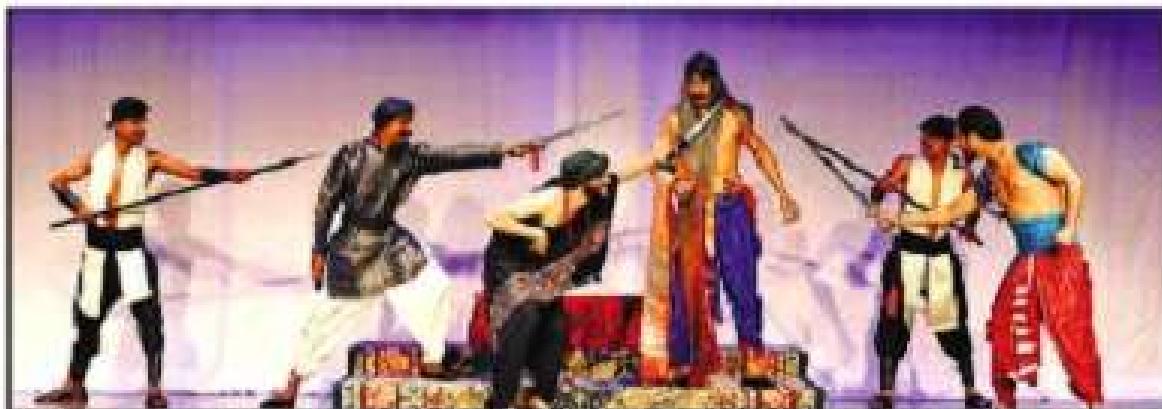


आमृत विचार

बोरेली, सोलापुर, १ मई २०२३

PAGE NO. 4: BOTTOM

चरित्र भी गढ़ देती है मानसिक वेदना



रिहिमा में नाटक का मालन करते कलाकार।

कार्यालय संवाददाता, बोरेली

आमृत विचार : एसआरएमएस रिहिमा में रघुविंश को कथा एक कंस की नाटक का मंचन किया गया। दबा प्रकाश मिन्हा द्वारा लिखित और एकलाल्य अंगूष्ठ द्वारा दूर दृश्य प्रस्तुत नाटक में कंस की मानसिक वेदना एवं व्यक्तित्व में तनावपूर्ण परिवर्तन को दर्शाया गया। व्यक्ति जन्म से नकारात्मक नहीं होता, व्यक्ति विद्युतों एवं मानसिक उत्पीड़न ही विशेष व्यक्ति को जन्मात्मकता की और ले जाती है।

कंस अधिकांश समय अपनी मरुती स्वाति के साथ यन में व्यतीत करता है। स्वाति और कंस एक दूसरे से बहुत प्रेम करते हैं। कंस को शास्त्रों से अधिक

• एसआरएमएस रिहिमा में कथा एक कंस की नाटक का मंचन

सचि संगीत और यादवीओं में ही लेकिन कंस का यह कोमल व्यभाव उत्तरके पिता उमसेन को पसंद नहीं।

उमसेन कंस को बार-बार छाँग बाण से अंगिल करते हैं कि तुम रावपुरुष होकर मिश्यों को तरह क्यों हो ? क्यों तुम्हे शास्त्रों में सचि नहीं ? उमसेन कंस का इतना मानसिक उत्तीर्ण करते हैं कि कंस के उंतपीन में उत्तरके प्रति प्रतिशोध की आवाज आ जाती है और एक दिन कंस नगप नरेश जगासुंप को सहायता में अपने पिता को बोटी बनाकर मधुरा साधान्य का आधिपत्य हासिल कर लेता है।

कंस को भूमिका में अधिकारी

नारायण ने बोहतरीन अधिनन्दन किया। साथ ही प्रथोत का किंदार भी निभाया। शालिनी चीहान (टेयकी), शीलेश कुशवाहा (वसुदेव), हेमतला पांडे (बाल कंस), सुमित भूषा गौड (उमसेन), जय सिंह रावत (प्रलोक), जागृति संपूर्ण (स्वाति), चिराज बहात (बाहुद), गौरव गुप्ता (प्रतिहारी १), हिमांशु कौटनला (प्रतिहारी २) ने भी आपनी भूमिकाओं के साथ न्याय किया। इन गीके पार एसआरएमएस टूट के संस्थापक द्वे देवशर्मीन देव भूति, आदित्य भूति, आज्ञा भूति, ऋषा भूति, एवं मार्गील (सेवानियूल) डा. एमएस कुटोला, डा. प्रभाकर गुप्ता, डा. अनुज कुमार समेत अन्य लोग भी जूट रहे।